PPN79C

15. वर्षागीतम् (बालगीतम्)

एहि एहि रे वर्षाजलधर ।
ग्रामतडागे नैव बत जलम् ।
सीदति खिन्नं तटे गोकुलम् ॥

ग्रामनदीयम् खलु जलहीना ।
व्याकुलिता दृश्यन्ते मीनाः ।
गृहकूपेषु च न नहि नहि नीरम् ।

हृदयमतो मे जातमधीरम्
दुःखंदैन्यं सत्वरमपह ॥1॥ एहि एहि रे

तृषिता गावस्तृषिता लतिका ।
तृषितास्ते चातका वराकाः ।
आकाशे त्वं संचर संचर ॥2॥. एहि एहि रे
तप्तं परितोऽस्माकं सदनम् ।
शुष्कप्रायं सदैव वदनम् ।

रवि ते जो ननु दहति लोचनम् ।
शरीरमखिलं घर्मक्लिन्नम् ।
प्रखरं सकलं वातावरणम् ।

दुर्धरमधुना लोक जीवनम्।
जनसंतापं सुदूरमपहर ॥3॥ एहि एहि रे

अर्थ

1. हे वर्षा करने वाले बादल ! आओ आओ गांव के तालाब में पानी नहीं है । तट पर गायों का झुण्ड प्यास के कारण व्याकुल हो रहा है । गांव की यह नदी भी पानी रहित होकर सूख गई है । इसकी मछलियाँ पानी के बिना तड़प रही हैं । (व्याकुल हो रही है) घरों के कुओं में पानी नहीं है । मेरा चित्त अब अधीर हो उठा है। हमारे दुःख और दैन्य को शीघ्र दूर करो । हे ! बादल तुम जाओ ।

2. ये शुक-सारिकायें (तौता-मैनायें) प्यासी है । गायें प्यासी है । लतायें प्यासी है । बेचारे चातक प्यासे हैं । हे बादल तुम आकाश में छा जाओ, बादल तुम आओ ।
3. हमारा घर चारों ओर से गरम हो गया है । (तप गया है) हमारा मुख सूख रहा है । सूर्य की किरणें आखों को जला रही है । सारा शरीर पसीने से भीग गया है । सम्पूर्ण वातावरण प्रखर हो गया है। (संतप्त हो गया है) जनजीवन अब कष्टमय हो गया है । हे बादल जनो के संताप को अब दूर करो । बादल ! तुम आओ , आओ ।

शब्दार्थाः

एहि	-	हे
जलधर	-	बादल
तडागे	-	तालाब में
नैव	-	नहीं
सीदति	-	कमजोर हो गया है
कूपेषु	-	कुओं में
अधीरम्	-	बिना धैर्य के
सत्वरम्	-	शीघ्र
अपहर	-	दूर करो
तृषिता	-	प्यासी
गावः	-	गायें
वराकाः	-	बेचारे
संचर	-	छा जाओ
परितः	-	चारों ओर
सदनम्	-	महल, भवन
वदनम्	-	मुख
तेजः	-	गर्मी, प्रकाश
ननु	-	अवश्य ही
दहति	-	जला रहा है
लोचनम्	-	आँख को
क्लिन्नम्	-	पसीना
प्रखरम्	-	गर्मी से संतप्त
दुर्धरम्	-	कष्टमय

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दीजिए ।

1. जलं विना जीवजन्तवः किम् अनुभवन्ति ?

2. केषु कूपेषु जलं नास्ति ?
3. तडागे किं नास्ति ?
4. किं जन्तवः तृषिताः सन्ति ?
5. जनानां सन्तापं कः दूरी करोति ?

2. खाली स्थानों को भरिये ।

1. जलधरः ..... ददाति।
2. ..... जलं सीदति ।
3. जलहीनेन मीनः ..... भवति ।
4. वर्षाकाले ..... आकाशे संचरन्ति ।
5. वर्षाकाले सरोवरे ..... तरन्ति ।

3. प्रत्येक खण्ड में से एक-एक शब्द लेकर पांच वाक्य बनाइये।

मेघा	पवनः	वर्धते
शीतलः	इतस्ततः	सन्ति
दुग्धपानेन	कृष्णा	धावन्ति
बालकाः	मधुरं	वहति
दुग्धं	बुद्धिं	भवति

4. कोष्टकों में दिये गये हिन्दी शब्दों के स्थान पर संस्कृत के उचित शब्द लिखकर वाक्य पूर्ण कीजिए -

1. (वे सब) जले क्रीडन्ति .....
2. एषा (गाय) अस्ति .....
3. (उपवन में) मयूरः नृत्यति .....
4. (आकाश में) मेघाः नृत्यन्ति .....
5. (सभी) प्रसन्नाः सन्ति .....

PPX3AZ